रोज़ बजाऊं हाज़री | By Rohit Kumawat

मैं रोज़ बजाऊं हाज़िरी थारी श्याम धणी सरकार
थे बेगा बेगा आओ थारी घनी करां मनुहार

आवन आवन कहता कहता बरस घनेरा बीत गया
याद भी हाँ की सांवरिया थे म्हाने दिल से भूल गया
कोई भूली बिसरी बातां मत याद करो दातार
मैं रोज़ बजाऊं हाज़िरी थारी श्याम धणी सरकार

सेवा पूजा चाकरी थारी म्हे नहीं जानू सरकार
चाकर बना लो म्हाने भी थां सु म्हाने इतनी दरकार
थे एक बार आ जाओ ना मांगू कोई पगार
मैं रोज़ बजाऊं हाज़िरी थारी श्याम धणी सरकार

आओ आओ बेगा आओ म्हाने धीर बंधा जाओ
रोहित थाने बुला रयो है बेड़ो पार लगा जाओ
थाने हिचकी आसी बाबा सत्य की बारम्बार
मैं रोज़ बजाऊं हाज़िरी थारी श्याम धणी सरकार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a5%8b%e0%a4%9c%e0%a4%bc-%e0%a4%ac%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%8a%e0%a4%82-%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-rohit-kumawat/